Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 28 May 2024

Dainik Jagran Page - 02

प्रवेश आवेदन की संख्या पहुंची 50 हजार के पार

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश को लेकर इस बार अभ्यर्थियों की विशेष रुचि देखने को मिल रही है। प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि से 12 दिन पहले तक प्रवेश की पंजीकरण की संख्या 50 के पार पहुंच गई है। अब तक कुल 52,905 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 36 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने फार्म भी भर दिया है। आवेदन की अंतिम तिथि आठ जून निर्धारित है।

विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नए सत्र में प्रवेश को स्नातक पाठ्यक्रम के लिए करीब 33 हजार, परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए 14239 और शोध में प्रवेश के लिए 5222 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इससे पहले सत्र 2021-22 में ही आवेदकों की संख्या 50 हजार के पार पहुंची थी। विश्वविद्यालय ने नए सत्र से मास्टर आफ साइंस इन एआइ, बीसीए एआइ, बीसीए आइओटी, बीफार्मा और डीफार्मा जैसे समय की मांग वाले कोर्स शामिल किए हैं। इनमें आवेदन की प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हो पाई है। विश्वविद्यालय को भरोसा है कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपना रुझान दिखाएंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि लोकप्रिय रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई है। इसके चलते भी आवेदकों की संख्या बढ़ी है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय • जागरण

- आठ जून है प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि
- 36 हजार से अधिक अभ्यर्थी भर चुके हैं फार्म

पाठ्यक्रमवार पंजीकरण की स्थिति: बीए आनर्स- 6199, बीएससी बायोलाजी- 4320, बीएससी गणित- 2872,

बीते सत्रों में आए आवेदन की संख्या

सत्र	आवेदन
2024-25	52905 (अभी जारी)
2023-24	42876
2022-23	43896
2021-22	51133

बीए-एलएलबी- 2809, बीकाम- 2733, बीसीए-2935, बीटेक-2925, बीएससी एजी- 2390, बीबीए- 1455, बीएससी-एमएलटी- 1176, बीकाम बैंकिंग एंड इंश्योरेंस- 1134, बीएजेएमसी-1053 और बैचलर आफ फिजियोथेरेपी- 539

पीजी में भी बंपर पंजीकरण: पीजी में अब तक विभिन्न विषयों में प्रवेश के लिए कुल 14,300 से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। एलएलबी में 3549, एलएलएम में 682, जूलॉजी में 980, बॉटनी में 341, मैथ में 561, केमिस्ट्री में 451, फिजिक्स में 369, एमकॉम में 988, राजनीति शास्त्र में 591, अंग्रेजी में 393, इतिहास में 391, एमबीए में 959, एमएससी एजी में 668 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है।

नेट की तैयारी के लिए गोविवि चलाएगा आनलाइन क्लास

गोरखपुर : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से जून में नेट (नेशनल एलिजबिलिटी टेस्ट) प्रस्तावित है। इस परीक्षा के लिए विद्यार्थियों की तैयारी बेहतर हो सके, विश्वविद्यालय उनकी मदद करेगा। विद्यार्थियों को नेट की तैयारी कराने के लिए विश्वविद्यालय आनलाइन क्लास चलाने जा रहा है। इस कक्षा के जरिये शिक्षक विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे और तैयारी के दौरान आने वाली शैक्षणिक समस्याओं का समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय में इन दिनों ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहा है। ऐसे में सभी विभाग परीक्षा से पहले तीन दिन तक आनलाइन क्लास आयोजित करेंगे। यह क्लास चार-चार घंटे चलेगी। इस बार विश्वविद्यालय के दो हजार से अधिक विद्यार्थी अलग-अलग विषयों से इस परीक्षा में शामिल होने की तैयारी में हैं। इसके पहले बीते दिसंबर में आयोजित नेट के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विभागवार कक्षाओं का संचालन कराया था।

Amar Ujala page - 07

डीडीयू : आवेदन 50 हजार के पार, तीन साल में सबसे ज्यादा

सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए करीब 53 हजार अभ्यर्थियों ने किया आवेदन, प्रवेश की अंतिम तिथि आठ जून

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश को लेकर अभ्यर्थियों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। पिछले तीन साल में पहली बार आवेदन की संख्या 50 हजार के पार हो गई है। स्नातक, परास्नातक में प्रवेश की अंतिम तिथि आठ जून है, ऐसे में यह संख्या और भी बढ़ सकती है।

नई शिक्षा नीति और सीयूईटी के आने के बाद से ही विश्वविद्यालय में अभ्यर्थियों की संख्या लगातार घट रही थी। इसके साथ ही प्रवेश, परीक्षा और परिणाम में देर होने की वजह से विद्यार्थियों का डीडीयू से मोहभंग हो रहा था। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के आने के बाद इसमें काफी हद तक

सत्र	आवेदन
2024-25*	52905
2023-24	42876
2022-23	43896

सुधार हुआ। इसकी वजह से अभ्यर्थियों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

वर्तमान सत्र में प्रवेश के लिए स्नातक में करीब 33 हजार, परास्नातक में 14,239 और शोध पात्रता परीक्षा-सत्र 2023-24 में प्रवेश के लिए 5222 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। इस सत्र में अब तक कुल 52,905 अभ्यर्थी पंजीकृत हो चुके हैं।

इनमें 36 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने फॉर्म भी पूरित कर लिया है। विश्वविद्यालय अभी इसी सत्र से पांच और पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसमें मास्टर ऑफ साइंस इन एआई, बीसीए एआई, बीसीए आईओटी, बीफार्मा और डीफार्मा जैसे समय की मांग वाले कोर्स शामिल हैं। इनमें आवेदन शुरू होने के बाद यह संख्या और भी बढ़ेगी।

बीए और एलएलबी की मांग सबसे ज्यादा

विश्वविद्यालय में स्नातक में बीए ऑनर्स में सबसे ज्यादा 6199 आवेदन और परास्नातक में एलएलबी में 3549 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। इसके साथ ही बीएससी बॉयोलॉजी में 4320, बीएससी गणित में 2872, बीए-एलएलबी में 2809, बीकॉम में 2733 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बीसीए में 2935, बीटेक में 2925, बीएससी एजी में 2390, बीबीए में 1455, बीएससी एमएलटी में 1176, बीकॉम बैंकिंग एंड इंश्योरेंस में 1134, बीए जेएमसी में 1053 और बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी में 539 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण किया है। इसके साथ ही एलएलएम में 682, जूलॉजी में 980, बॉटनी में 341, गणित में 561, केमिस्ट्री में 451, फिजिक्स में 369, एमकॉम में 988, राजनीति शास्त्र में 591, अंग्रेजी में 393, इतिहास में 391, एमबीए में 959, एमएससी एजी में 668 अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए पंजीकरण कराया है।

विश्वविद्यालय में प्रवेश को लेकर अभ्यर्थियों में काफी रुझान देखने को मिल रहा है। पंजीकरण की संख्या 50 हजार के पार पहुंच गई है। रोजगारपरक कोर्स में इस समय की मांग है। इसको लेकर छात्रों में सबसे ज्यादा उत्साह है। इसे देखते हुए प्रमुख विषयों में सीट वृद्धि की गई है। पांच अन्य कोर्स शुरू होने के बाद आवेदकों की संख्या और बढ़ेगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

ऑनलाइन क्लास से होगी नेट की तैयारी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। यूजीसी की ओर से नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जून में प्रस्तावित है। इसके लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के काफी विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

विद्यार्थियों की तैयारी बेहतर हो सके, इसके लिए विश्वविद्यालय ऑनलाइन क्लास आयोजित करने जा रहा है। इसमें वह विषय से जुड़े डाउट पर अपने शिक्षकों संग चर्चा कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय में इस समय ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहा है। ऐसे में सभी विभाग परीक्षा से पहले तीन दिनों तक ऑनलाइन क्लास आयोजित करेंगे। यह क्लास चार-चार घंटे चलेगी, जिसमें विद्यार्थी विषय विशेषज्ञों से रूबरू हो सकेंगे। विश्वविद्यालय के दो हजार से अधिक विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे।

Hindustan Page 05

तीन वर्ष बाद प्रवेश के लिए आवेदन 50 हजार पार

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में सत्र 2024-25 के लिए चल रही प्रवेश प्रक्रिया में बंपर उछाल आया है। पिछले दो वर्षों की तुलना में पहली बार पंजीकरण 50 हजार के पार पहुंच गया है। इस सत्र में अब तक कुल 52,905 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 36 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने फॉर्म भी सबमिट कर दिया है। आवेदन की अंतिम तिथि 8 जून निर्धारित है। इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार रिकॉर्ड संख्या में आवेदन आएंगे।

डीडीयू प्रशासन ने बेपटरी हो चुकी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई उपाय किए। प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम पर पूरा फोकस रहा। छात्रों का भरोसा जीतने को संवाद स्थापित करने के साथ ही छात्र हित में कई अहम निर्णय लिए गए।

डीडीयू में वर्तमान सत्र में प्रवेश के लिए स्नातक में प्रवेश के लिए करीब 33 हजार, पीजी में प्रवेश के लिए 14239 और शोध पात्रता परीक्षा-सत्र 2023-24 में के लिए 5222 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इससे पूर्व सत्र 2021-22 में ही आवेदकों की संख्या 50 हजार के पार पहुंची थी।

यूजी में प्रवेश को 33 हजार पंजीकरण

यूजी में प्रवेश के लिए 32905 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण किया है। बीए ऑनर्स में सर्वाधिक 6199, बीएससी बॉयोलॉजी में 4320, बीएससी गणित में 2872, बीए एलएलबी में 2809, बीकॉम में 2733 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बीसीए में 2935, बीटेक में 2925, बीएससी एजी में 2390, बीबीए में 1455, बीएससी एमएलटी में 1176, बीकॉम बैंकिंग एंड इंश्योरेंस में 1134, बीए जेएमसी में 1053 और बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी में 539 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण किया है।

नेट की तैयारी के लिए चलेंगी कक्षाएं

गोरखपुर। डीडीयू में एक बार फिर नेट की तैयारी के लिए कक्षाएं चलाए जाने की योजना है। यह कक्षाएं ऑनलाइन शुरू होंगी। जून महीने में नेट की प्रस्तावित परीक्षा को देखते हुए सभी विभागों को इसे संचालित करने का निर्देश दिया गया है। डीडीयू के सभी विभागों में नेट की परीक्षा से पहले तीन-तीन दिनों तक चार-चार घंटे की ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इनमें विद्यार्थियों की डाउट क्लीयर करने के साथ ही विषय विशेषज्ञ अहम टिप्स भी देंगे।

Amar Ujala Select Page 04

डीडीयू : आवेदन 50 हजार के पार, तीन साल में सबसे ज्यादा

सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए करीब 53 हजार अभ्यर्थियों ने किया आवेदन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश को लेकर अभ्यर्थियों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। पिछले तीन साल में पहली बार आवेदन की संख्या 50 हजार के पार हो गई है। स्नातक, परास्नातक में प्रवेश की अंतिम तिथि आठ जून है, ऐसे में यह संख्या और भी बढ़ सकती है।

नई शिक्षा नीति और सीयूईटी के आने के बाद से ही विश्वविद्यालय में अभ्यर्थियों की संख्या लगातार घट रही थी। इसके साथ ही प्रवेश, परीक्षा और परिणाम में देर होने की वजह से विद्यार्थियों का डीडीयू से मोहभंग हो रहा था। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के आने के बाद इसमें काफी हद तक सुधार हुआ। इसकी वजह से अभ्यर्थियों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

"विश्वविद्यालय में प्रवेश को लेकर अभ्यर्थियों में काफी रुझान देखने को मिल रहा है। पंजीकरण की संख्या 50 हजार के पार पहुंच गई है। रोजगारपरक कोर्स में इस समय की मांग है। इसको लेकर छात्रों में सबसे ज्यादा उत्साह है। इसे देखते हुए प्रमुख विषयों में सीट वृद्धि की गई है। पांच अन्य कोर्स शुरू होने के बाद आवेदकों की संख्या और बढ़ेगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

वर्तमान सत्र में प्रवेश के लिए स्नातक में करीब 33 हजार, परास्नातक में 14,239 और शोध पात्रता परीक्षा-सत्र 2023-24 में प्रवेश के लिए 5222 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है।

इस सत्र में अब तक कुल 52,905 अभ्यर्थी पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें 36 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने फॉर्म भी पूरित कर लिया है। विश्वविद्यालय अभी इसी सत्र से पांच और पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसमें मास्टर ऑफ साइंस इन एआई, बीसीए एआई, बीसीए आईओटी, बीफार्मा और डीफार्मा जैसे समय की मांग वाले कोर्स शामिल हैं। इनमें आवेदन शुरू होने के बाद यह संख्या और भी बढ़ेगी।

बीए और एलएलबी की मांग सबसे ज्यादा : विश्वविद्यालय में स्नातक में बीए ऑनर्स में सबसे ज्यादा 6199 आवेदन और परास्नातक में एलएलबी में 3549 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है।

Rashtriya Sahara Page - 05

छह कालेजों में होगी बीबीए और टूरिज्म की पढ़ाई

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि से संबद्ध महाविद्यालय भी विद्यार्थियों की पढ़ाई और रोजगार को लेकर संजीदा हो रहे हैं। नये सत्र में छह महाविद्यालय अपने यहां रोजगारपरक पाठ्यक्रम बीबीए एवं टूरिज्म का कोर्स लागू करने जा रहे हैं। जून के प्रथम सप्ताह में विद्या परिषद की बैठक में यह मुद्दा पास होने तथा कार्यपरिषद से मंजूरी मिलने के बाद महाविद्यालयों में इन कोर्सों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी।

देखा जाये तो उद्योग और पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं रोज-ब-रोज बढ़ रही हैं। इसे लेकर शासन की मंशा है कि अब विश्वविद्यालय और कालेजों में उद्योगों की जरूरत के हिसाब से पाठ्यक्रम बनें ताकि पढ़ाई के बाद विद्यार्थियों को रोजगार मिल सके और उद्योगों को कर्मचारी। इसको देखते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध छह कालेजों में बीबीए रिटेल, लॉजिस्टिक, हेल्थ केयर और बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी की पढ़ाई शुरू होने जा रही है। लेकिन इससे पूर्व विद्या परिषद एवं कार्यपरिषद की इस पर मुहर लगेगी। जून के प्रथम सप्ताह में विद्या परिषद की बैठक में इस पर चर्चा हो सकती है। फिर कार्यपरिषद की मंजूरी के बाद महाविद्यालय इन कोर्सों को रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करेंगे। बता दें कि शासन के निर्देश के बाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने महाविद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्यों संग बैठक की। इसमें कुछ कालेजों ने इन पाठ्यक्रमों को संचालित करने में रुचि दिखाई। सभी कोर्स सेल्फ फाइनेंस मोड में सत्र 2024-25 से ही चलेंगे। इन पाठ्यक्रमों की खास बात यह है कि ये कोर्सेज अभी विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध नहीं हैं। इनमें प्रवेश के लिए आवेदन महाविद्यालय के स्तर से ही होगा।

- रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए कालेज लागू कर रहे ये कोर्स
- जून के पहले हफ्ते विद्या परिषद की बैठक में पास हो सकता है प्रस्ताव
- कार्य परिषद से स्वीकृति के बाद नये सत्र में शुरू होंगे आवेदन

इन महाविद्यालयों में संचालित होंगे कोर्स : चंद्रकांति रमावती देवी आर्य महिला पीजी कालेज, गोरखपुर- बीबीए रिटेल, महात्मा गांधी पीजी कालेज, गोरखपुर- बीबीए हेल्थ केयर, सेंट एंड्रयूज पीजी कालेज, गोरखपुर-बीबीए लॉजिस्टिक्स, महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़- बीबीए रिटेल, संत विनोबा पीजी कॉलेज, देवरिया- बीबीए रिटेल, बापू पीजी कॉलेज, पीपीगंज- बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी।

प्रोफेशनल कोर्स से कालेज और छात्र दोनों को लाभ मिलेगा : प्रो. पूनम टंडन, कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इस बाबत बताया कि अब गोविवि. के साथ ही कॉलेजों में भी प्रोफेशनल कोर्स चलाए जाएंगे। इससे हमारे कालेज भी मजबूत होंगे और विद्यार्थियों को भी फायदा पहुंचेगा। इस समय इन पाठ्यक्रमों की मांग बहुत ज्यादा है। विद्या परिषद और कार्य परिषद से स्वीकृति के बाद इनके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।